# छह वेदांता, एक संकल्पः भारत की संसाधन आत्मनिर्भरता को गति भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संकल्प ली

**भास्कर समाचार सेवा**

नई दिल्ली। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वेदांता समूह की छह स्वतंत्र रूप से सूचीबद्ध कंपनियां देश की जरूरतों के लिए उत्पादन करने के अपने संकल्प को दोहराते हुए, प्राकृतिक संसाधनों, ऊर्जा, धातुओं और महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में भारत की यात्रा को मजबूत करने के लिए एकजुट हुई है। यह संकल्प वेदांता के ऐतिहासिक डीमर्जर के बाद उसके पहले स्वतंत्रता दिवस को चिह्नित करता है। इसके तहत Vedanta Limited, Vedanta Aluminium Metal Limited, Vedanta Oil & Gas Limited, Vedanta Iron & Steel Limited, Vedanta Power और Hindustan Zinc एक साझा राष्ट्र-निर्माण के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर हम खनिजों, धातुओं और हाइड्रोकार्बन के क्षेत्र में आयात पर निर्भरता से देश को मुक्त कराने में

योगदान देने के अपने संकल्प को दोहराते है। हाल ही में हुए डीमर्जर के बाद, मेरा विश्वास है कि हम इस लक्ष्य को और अधिक फोकस, चुस्ती और गति के साथ हासिल करने के लिए तैयार है। अनिल अग्रवाल लगातार इस बात पर जोर देते रहे हैं कि भारत को अपनी खनिज और हाइड्रोकार्बन क्षमता को साकार करने, घरेलू उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए भूमिगत हरित क्रांति की आवश्यकता है। भारत की तेज आर्थिक वृद्धि से ऊर्जा, धातुओं, खनिजों और औद्योगिक सामग्रियों की मांग लगातार बढ़ रही है। वही, कई रणनीतिक संसाधनों के लिए विदेशी आपूर्ति पर निर्भरता अर्थव्यवस्था को वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के प्रति संवेदनशील बनाती है।